

शब्दार्थ : गपशप-बातचीत । बनठन कर-सजधज कर।
मुलाकात-भेंट। मामूली-साधारण। परिचय करवाना-किसी
को किसी से मिलवाना और उसके बारे में बताना।

तुम्हारे सवाल

कहानी के बारे में कोई पाँच प्रश्न बनाकर नीचे दी गई जगह में लिखो। फिर उनके उत्तर लिखो।

प्रश्न 1.

नसीरुद्दीन किससे मिलकर बहुत खुश हुए?

उत्तर:

नसीरुद्दीन अपने बहुत पुराने दोस्त जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए।

प्रश्न 2.

जमाल साहब ने नसीरुद्दीन के साथ उनके मोहल्ले में घूमने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर:

क्योंकि उन्होंने मामूली पोशाक पहन रखी थी।

प्रश्न 3.

“यह सुनकर जमाल साहब पर तो मानो घड़ों पानी पड़ गया।” क्या सुनकर जमाल साहब पर घड़ों पानी पड़ गया?

उत्तर:

जमाल साहब नसीरुद्दीन की अचकन पहनकर उनके मोहल्ले में घूमने निकले। दोस्त को लेकर नसीरुद्दीन पड़ोसी के घर गए। पड़ोसी से उनका परिचय करवाते हुए नसीरुद्दीन ने कहा इन्होंने जो अचकन पहन रखी है, वह मेरी है। यह सुनकर जमाल साहब पर मानो घड़ों पानी पड़ गया।

प्रश्न 4.

नसीरुद्दीन ने किससे माफी माँगी?

उत्तर:

नसीरुद्दीन ने अपने दोस्त जमाल साहब से माफी माँगी।

शब्दों का हेरफेर

झूठा – जूठा इन शब्दों को बोलकर देखो। ये मिलती-जुलती आवाज़ वाले शब्द हैं। ज़रा से अंतर से भी शब्द का अर्थ बदल जाती है।

नीचे इसी तरह के कुछ शब्दों के जोड़े दिए गए हैं। इन सबके अर्थ अलग-अलग हैं। इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।

घड़ा – गढ़ा

धूम – झूम

राज – राज़

फन – फन

सजा – सज़ा

खोल – खोल

उत्तर:

- घड़ा – आज मैंने मिट्टी का घड़ा खरीदा।।
गढ़ा – कुम्हार ने मिट्टी के बर्तन गढ़े।
- घूम – मैं अभी-अभी घूम कर आया हूँ।
झूम – विशाल के जन्मदिन समारोह में सभी मस्ती में झूम रहे थे।
- राज – भारत में अंग्रेजों का राज था।
रज़ा – कहो तो मैं उसके राज की बात बता दें।
- फन – मेरा दोस्त कार्टून बनाने के फन में माहिर है।
फन – साँप का फन देखो।
- सज़ा – मेरे जन्मदिन के अवसर पर पूरा घर सजा था।
सज़ा – गलत करने वाले को सज़ा जरूर मिलनी चाहिए।
- खोल – वह खिड़की खोलकर छोड़ दिया।
खौल – आग पर पानी खौल रहा है।